हिन्दी साप्ताहिक R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 38 | लखनऊ शनिवार 27 सितम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने शुरू किया वोट चोर–गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

बस्ती (संवाददाता) । गुरूवार को कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अध्यक्षता में पार्टी नेताओं की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिले में 'वोट चोर–गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई । यह अभियान जिले के सभी मंडलों, ब्लॉकों, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में एक साथ चलाया जायेगा।कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर साक्ष्यों के साथ देश के सामने अपनी बात रखी थी। इसके बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर देशभर में गंभीर बहस छिड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को हाईजैक करने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता इसका पर्दाफांश करेंगे।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और राष्ट्रपति को भेजे जाने वाले मांग पत्र पर हस्ताक्षर कराएंगे। इस मांग पत्र में मशीन–रीडेबल वोटर लिस्ट को सार्वजनिक करना, जोड़े और हटाए गए मतदाताओं की फोटो सहित सूचियां जारी करना, एक सुलभ शिकायत निवारण प्रणाली लागू करना और मतदाताओं के दमन में शामिल अधिकारियों व एजेंटों पर कानूनी कार्रवाई जैसे मुद्दे शामिल किए गए हैं।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि यूपी लोकसभा चुनाव नतीजों में गठबंधन दलों ने सत्ता पक्ष को लगभग धराशायी कर दिया था, इसके बावजूद वे सरकार बनाने से वंचित रह गए, जो वोट चोरी का स्पष्ट संकेत है। इस संदेश को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों के घर–घर जाकर जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही कांग्रेस के नीति, कार्यक्रम से लोगों को जोड़ेंगे।'

भाजपा ने दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर स्वदेशी अपनाने का संकल्प

बस्ती (संवाददाता) । भारतीय जनता पार्टी द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती गुरुवार को जिलेभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। सुबह 8 से 12 बजे तक कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन मूल्यों पर विचार व्यक्त किए तथा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया।जिला मुख्यालय पर आयोजित संगोष्ठी एवं आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बलिया बांसडीह की विधायक केतकी सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। वे अंत्योदय के प्रबल समर्थक थे और मानते थे कि देश के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी मुख्यधारा से जोड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठाना ही सच्ची सेवा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आज उन्हीं की विचारधारा को आत्मसात कर आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाकर अंत्योदय के सपने को पूरा किया जा रहा है।श्रीमती सिंह ने आगे कहा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग बढ़ाएँगे, देशी उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगे और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सक्रिय योगदान देंगे।"जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर बूथ स्तर तक कार्यक्रमों का आयोजन कर भाजपा ने उनके आदर्शों और विचारों को जन–जन तक पहुँचाने का प्रयास किया है।

जारी रहेंगे जीएसटी सुधार

अपनी नाकामी छिपाने के लिए लोगों को भ्रमित कर रही है कांग्रेस, : मोदी

(एजेन्सी)।

नोएडा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों पर देशवासियों को भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस अपनी सरकारों की नाकामियों को छिपा रही है और देश की आर्थिक मजबूती के लिए मोदी सरकार में जीएसटी सुधारों का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।

श्री मोदी ने दुनिया भर की कंपनियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश निवेश के लिए सबसे उपर्युक्त और आकर्षक जगह है तथा यहां पर निवेश भारत के साथ साथ विदेशी कंपनियों के लिए भी फायदे का सौदा है।श्री मोदी ने गुरूवार को यहां उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में जीएसटी व्यवस्था लागू किये जाने और बाद में उसमें किये गये नयी पीढी के सुधारों का उल्लेख किया और कहा कि इससे देश में आर्थिक मजबूती का सूत्रपात हुआ है। जीएसटी सुधारों पर विपक्ष की बयानबाजी पर

उसे आडे हाथों लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल 2014 से पहले की अपनी सरकारों की नाकामियों को छिपाने के लिए लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा , ‽ कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 2014 की सकरार की नाकामी छिपाने के लिए कांग्रेस और उसके साथी दल जनता से छूट बोल रहे हैं। उस समय कर की लूट मची हुई थी और उस कर में से भी लूट होती थी। जनता पर कर की मार थी। ‽श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने कर कम करके मंहगाई कम की है। सरकार ने लोगों की आय बढायी है और कर को कम किया है। उन्होंने कहा कि यदि 12 लाख आयकर मुक्त राशि और जीएसटी सुधारों से होने वाल फायदा को जोड़ा जाये तो लोगों के एक वर्ष में ढाई लाख करोड़ रूपये बचने जा रहे हैं। इसीलिए देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है।जीएसटी सुधारों को जारी रखने का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा कि यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा ,‽ हम यहीं नहीं रूकने वाले। पहले 2017 में जीएसटी लाया गया और अब 2025 में जीएसटी में सुधार से आर्थिक मजबूती के बाद फिर से सुधार के बल पर आर्थिक मजबूती लायेंगे और जीएसटी में सुधार का सिलसिला चलता रहेगा।‽

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में देश में राजनीतिक स्थिरता और नीति निर्माण के साथ–साथ कुशल युवा आबादी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में ये सभी चीजें एक साथ नहीं है जबकि भारत में निवेश के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी कंपनी अगर अपनी बढोतरी को नये पंख लगाना चाहती है तो भारत और उत्तर प्रदेश उसके लिए सबसे आकर्षक निवेश स्थान है। यह सभी के लिए फायदे की स्थिति की तरह है। उन्होंने वहां मौजूद सभी हितधारकों से मिलकर विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश बनाने का संकल्प लेने को कहा

विशेष रेलगाड़ी से राष्ट्रपति आज पहुंचेंगी कान्हा के धाम मथुरा–वृंदावन

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से एक विशेष रेलगाड़ी के माध्यम से वृंदावन (उत्तर प्रदेश) पहुंचेंगी। वृंदावन प्रवास के दौरान राष्ट्रपति श्री बांके बिहारी मंदिर, निधिवन और कुब्जा कृष्ण मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना करेंगी। वृंदावन में वे सुदामा कुटी भी जाएंगी। राष्ट्रपति मुर्मु मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन और पूजा करेंगी। यह जानकारी भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने विज्ञप्ति के जरिए अपने पोर्टल पर साझा की है।

बताया गया है कि दो साल बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ट्रेन का सफर करेंगी। द्रौपदी मुर्मु ने पिछली बार जून 2023 में इसी विशेष रेलगाड़ी से सफर किया था। तब वो भुवनेश्वर से अपने गृह नगर रायरंगपुर (ओडिशा) गई थीं। अब वह दो साल तीन महीने बाद दोबारा ट्रेन का सफर करने जा रही हैं। सुरक्षा के मद्देनजर वृंदावन तक रास्ते में पड़ने वाले रेलवे स्टेशनों और ओवरब्रिजों पर

आरपीएफ और जीआरपी के जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति सुबह 10 बजे वृंदावन पहुंचेंगी। यह विशेष रेलगाड़ी फरीदाबाद–पलवल होते हुए वृंदावन पहुंचेंगी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सुबह 8रू30 बजे विशेष रेलगाड़ी से प्रस्थान करने की संभावना है। वो शाम को मथुरा से इस ट्रेन से दिल्ली वापस लौटेंगी। वो शाम 5रू15 बजे मथुरा जंक्शन स्टेशन से बैठेंगी और 6रू45 पर दिल्ली स्थित सफदरजंग रेलवे स्टेशन पहुंच जाएंगी। इस विशेष रेलगाड़ी को महाराजा एक्सप्रेस का रेक बताया गया है। यह ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होती है। ट्रेन 16 कोच की है। राष्ट्रपति के साथ उनके स्टाफ के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

बिना आधार लिंक वाले मोबाइल नंबर के कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं: चुनाव आयोग

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एक बड़ा बदलाव करते हुए अब वोटर आईडी के लिए आधार और मोबाइल नंबर जरूरी कर दिया है। ऑनलाइन वोटर लिस्ट सर्विसेज के लिए आधार से लिंक मोबाइल नंबर अनिवार्य कर दिया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक बिना आधार लिंक वाले मोबाइल नंबर के कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। एनडीटीवी की खबर के मुताबिक अब वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने या फिर बदलाव करने के लिए आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर देना होगा।

सिस्टम पूरी तरह से चालू

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने एनडीटीवी को बताया कि करीब एक माह पहले ही यह फैसला ले लिया गया था और आईटी डिपार्टमेंट इसे लागू करने की तैयारी कर रहा था। अब यह सिस्टम पूरी तरह से चालू हो चुका है। अब बिना आधार से जुड़े मोबाइल नंबर के कोई आवेदन स्वीकार नहीं होगा।

चुनाव आयोग का यह फैसला ऐसा समय में आया है जब कर्नाटक में बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट डिलीशन का विवाद चल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में सिस्टमेटिक वोटर डिलीशन हो रहा है और इसके पीछे एक तीसरी ताकत काम कर रही है।

राहुल गांधी ने लगाया वोट चोरी का आरोपराहुल गांधी ने दावा किया कि अलंद विधानसभा सीट से 6018 वोटर डिलीट कर दिए गए। राहुल ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह साधारण गलती नहीं बल्कि एक संगठित साजिश है और जल्द ही इस पर और बड़े खुलासे होंगे।

चुनाव आयोग ने आरोपों को किया खारिजवहीं कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अंबुकुमार ने राहुल के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2022 में अलंद विधानसभा से 6018 वोटरों को हटाने के लिए ऑनलाइन फॉर्म–7 आवेदन मिले थे। इतनी बड़ी संख्या देखकर जांच की गई। जांच में केवल 24 आवेदन सही पाए गए, जबकि 5994 गलत थे और उन्हें रद कर दिया गया। यानी कोई सामूहिक वोटर डिलीशन नहीं हुआ। इस फर्जीवाड़े की जांच के लिए थ्प्त् भी दर्ज की गई।

स्वच्छता अभियान से सबको जुड़ना होगा – अभिषेक कुमार

बस्ती (संवाददाता) । गुरूवार को 17 सितम्बर से 2अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के की कड़ी में साऊंघाट विकासखंड के ग्राम पंचायत पैडा के बाबू शिव गुलाम जी के शहीद स्थल पर पुष्प अर्पित कर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई किया गया। साऊंघाट विकासखंड के ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने बताया कि स्वच्छता अभियान से पूर्व जागरूकता रैली निकाली गई जो क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से गुजरी। इसके बाद बाबू शिव गुलाम जी के शहीद स्थल पर साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कहा कि स्वच्छता अभियान से सबको जुड़ना होगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही अनेक भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वच्छता अभियान चलाते हैं, उनसे प्रेरणा लेकर हमें आगे बढना होगा।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष कर्मेंद्र चौहान,जिला मंत्री भाजपा विनय यादव , ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र, विश्वनाथ के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही कर्म है, स्वच्छता ही धर्म है: खट्टर

(एजेन्सी)।

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले से स्वच्छता अभियान का आह्वान किया था और शौचालय निर्माण के साथ स्वच्छता को सेवा का कार्य माना था।उन्होंने कहा कि उस समय विपक्ष ने सवाल उठाए थे लेकिन मोदी ने महात्मा गांधी के संदेश को आगे बढ़ाते हुए गंदगी से आज़ादी का अभियानछेड़ा।श्री खट्टर ने कहा कि बीते 10 वर्षों में गांव और शहर ओडीएफ प्लस हो चुके हैं और अब वाटर प्लस की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे पानी का सही उपयोग और प्रोसेसिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, "स्वच्छता ही कर्म है, स्वच्छता ही धर्म है।"

उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। शहरी विकास विभाग सालभर स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने में जुटा है। बड़े डंप साइट्स को हटाने और वेस्ट टू एनर्जी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डंप साइट पर कूड़ा हटाने का कार्य वर्षों से जारी है।श्री खट्टर ने अपील किया कि गंदगी फैलाना भी हम करते हैं, इसलिए सफाई की जिम्मेदारी भी हमें ही निभानी होगी।

'मेक इन इंडिया' अभियान भारत के विनिर्माण क्षेत्र का पुनरोत्थान – पीयूष गोयल

(एजेन्सी)।

नयी दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने श्मेक इन इंडियाश अभियान को भारत के विनिर्माण क्षेत्र का पुनरोत्थान बताते हुए कहा है कि भविष्य में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

श्री गोयल ने गुरूवार को मेक इन इंडिया अभियान के 11 साल पूरा होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पर एक पोस्ट में कहा,‽ अब तक, मेक इन इंडिया की कहानी पुनरुत्थान की कहानी है। आने वाले दशक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व की कहानी लिखेंगे।‽

श्री गोयल ने कहा है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने बड़े पैमाने पर निवेश और रोज़गार पैदा किए हैं, जबकि युवाओं और महिलाओं के उत्साह और ऊर्जा से प्रेरित जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवाचार केंद्र बना दिया है।

उन्होंने कहा ‽यह यात्रा हमारे उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप्स,

उद्यमियों और स्वदेशी की भावना को अपने हृदय में धारण करने वाले प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयास से संभव हुई है।ग्यारह साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की विनिर्माण क्षमता को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से श्मेक इन इंडियाश की शुरुआत की थी। आज, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि इस दृ ष्टिकोण ने भारत को एक वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है।‽

वाणिज्य मंत्री ने कहा है कि इन वर्षों में, रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह, व्यापार सुगमता में व्यापक सुधार, वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता के रूप में हमारी उन्नति, बढ़ते निर्यात और रक्षा उत्पादन का विस्तार, ये सभी दर्शाते हैं कि आज का भारत इस मार्ग पर कितना आगे बढ़ चुका है ।उन्होंने कहा कि उत्पादन–आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने बड़े पैमाने पर निवेश और रोज़गार सृजित किए हैं, जबकि हमारे युवाओं और महिलाओं के उत्साह और ऊर्जा से प्रेरित देश के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवाचार केंद्र बना दिया है।

रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण

(एजेन्सी)।

नयी दिल्ली । भारत ने रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि–प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है। अगली पीढ़ी की यह मिसाइल दो हजार किलोमीटर तक की मारक क्षमता के लिए डिज़ाइन की गई है और कई उन्नत सुविधाओं से लैस है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया अपनी तरह का यह पहला प्रक्षेपण बिना किसी अतिरिक्त प्रणाली के रेल नेटवर्क पर कार्य करने की क्षमता रखता है। इससे देश भर में कहीं भी और कम दृश्यता के साथ कम समय में प्रक्षेपण की सुविधा मिलती है।श्री सिंह ने मध्यम दूरी की अग्नि–प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

,सामरिक बल कमान और सशस्त्र बलों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि इस सफल उड़ान परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास चलते–फिरते रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड प्रक्षेपण प्रणाली विकसित करने की क्षमता है।

लद्दाख हिंसा भाजपा की वादाखिलाफी का नतीजा : अखिलेश

(एजेन्सी)।

नयी दिल्ली । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन को केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वादाखिलाफी का नतीजा बताया है।यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन सीमा से सटे इस संवेदनशील प्रदेश की सरहदों को और सुरक्षित करने के लिये सरकार को वहां की जनता की बात माननी चाहिये।

सपा प्रमुख ने यहां प्रेसवार्ता में लद्दाख में प्रदर्शनकारियों द्वारा भाजपा का कार्यालय फूंक दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा,"हम लोग हिंसा के पक्षधर नहीं हैं। भाजपा के लोगों को भी हिंसा को बढ़ावा नहीं देना चाहिये।"

उन्होंने कहा, "लेह–लद्दाख के नेता, वहां के काउंसिल के लोग और जनप्रतिनिधियों को भाजपा के लोगों ने आश्वासन दिया था कि उन्हें राज्य का दर्जा और शक्तियां वापस दी जाएगीं। याद रखिए मुनाफा कमाना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह) और समाजवादी लोग कहते थे कि वादाखिलाफी भी भ्रष्टाचार है। भाजपा ने वही किया, उसी का परिणाम है कि उन्हीं का कार्यालय जला दिया गया।"

यादव ने कहा, "तमाम वीडियो और भाषण हैं जहां पर भाजपा ने लेह लद्दाख के लोगों को आश्वासन दिया था।" उन्होंने कहा, "चूंकि वह एक संवेदनशील सीमावर्ती प्रदेश है। वहां के लोगों की जो भी मांगें हैं, उन्हें सरकार को मान लेनी चाहिए। वहां कभी चीन को लोग घुस गए थे। हमारी फौज के लोगों को किस तरह से अपमानित होना पड़ा था, इसलिए सीमावर्ती प्रदेश की सीमाओं को और सुरक्षित करने के लिए सरकार को

वहां के लोगों की बात माननी चाहिए और ज्यादा बजट देकर वहां पर खुशहाली लानी चाहिए।

संपादकीय

लेह में हिंसा की तपिश

पहाड़ी इलाके में विकास–रोजगार की आकांक्षा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय–समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है।

जम्मू–कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू–कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, ।

अरुणाचल में 'ओजु' प्रोजेक्ट को मिली मंज़ूरी, मोदी ने चीन के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी

नीरज कुमार दुबे ।

देखा जाये तो यह महज़ ऊर्जा उत्पादन की परियोजना नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। क्योंकि यह इलाका सीधे चीन की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कदम चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे बाँधों के जवाब में है?

भारत की ऊर्जा और सामरिक सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा कदम हाल ही में तब सामने आया जब पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी ज़िले में प्रस्तावित 2,220 मेगावॉट के ओजु जलविद्युत परियोजना को मंज़ूरी दे दी। लगभग 25,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना भारत की तीसरी सबसे बड़ी हाइड्रो पावर परियोजना होगी, जिसे पूरा होने में कम से कम पाँच वर्ष लगेंगे। इससे पहले दिबांग (2,880 मेगावॉट) और एतालिन (3,087 मेगावॉट) परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है।देखा जाये तो यह महज़ ऊर्जा उत्पादन की परियोजना नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। क्योंकि यह इलाका सीधे चीन की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कदम चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे बाँधों के

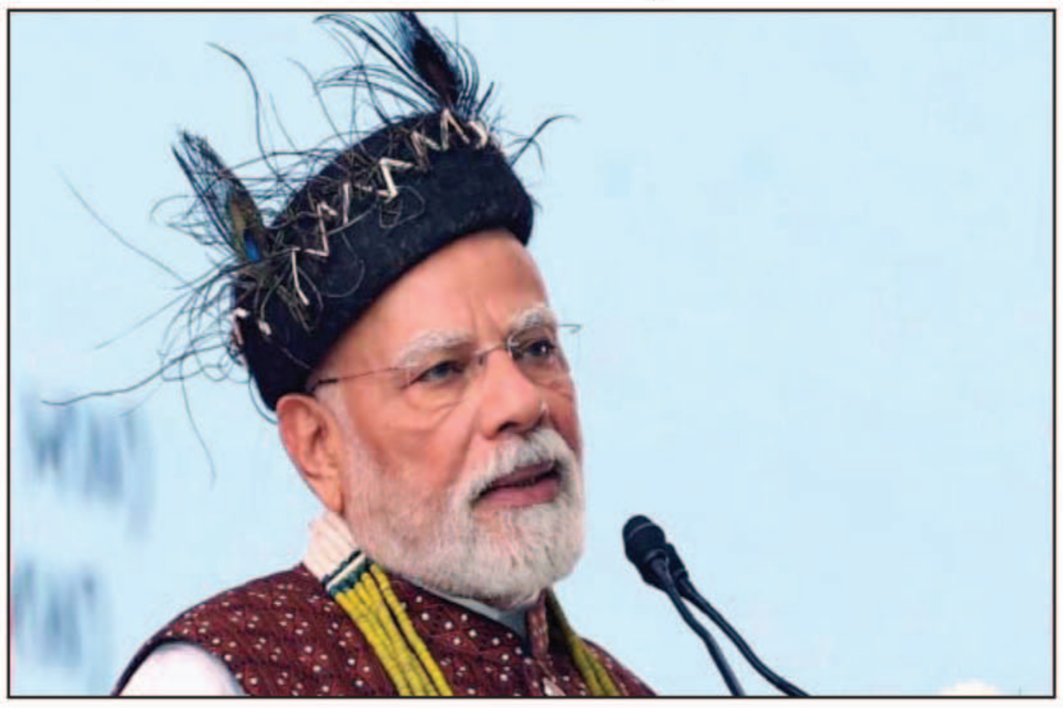

जवाब में है? और क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल यात्रा के महज़ दो दिन बाद इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलना कोई साधारण संयोग है?

हम आपको बता दें कि चीन लंबे समय से ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्सांगपो) पर बड़े–बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। उसकी योजना वहाँ दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट खड़ा करने की है। भारत के लिए यह चिंता का विषय इसलिए है क्योंकि ब्रह्मपुत्र की धारा तिब्बत से निकलकर अरुणाचल और असम से होते हुए बांग्लादेश पहुँचती है। यदि चीन ऊपरी धारा पर पानी रोकता है या दिशा मोड़ता है, तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और असम की कृषि, पारिस्थितिकी और लोगों के जीवन पर गहरा असर पड़ सकता है।

भारत अब इस खतरे को मूक दर्शक बनकर नहीं देखना चाहता। ओजु जैसी परियोजनाएँ दरअसल यह संदेश देती हैं कि भारत भी अपनी नदी संसाधनों पर अधिकार जताने और उन्हें सामरिक हथियार की तरह उपयोग करने के लिए तैयार है। यह परियोजना न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि चीन के जल–राजनीति (जमत च्वसपजपबे) को संतुलित करने का साधन भी बनेगी।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी दो दिन पहले ही अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर गए थे, जहाँ उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राज्य की सामरिक महत्ता पर ज़ोर दिया। उनकी यात्रा के मात्र दो दिन बाद ओजु प्रोजेक्ट की मंजूरी सामने आना केवल संयोग नहीं माना जा सकता। यह एक सोचा–समझा सामरिक संकेत हैकृ भारत चीन को यह बताना चाहता है कि अरुणाचल पर उसके दावे किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं ।दरअसल, चीन लगातार अरुणाचल को 'दक्षिण तिब्बत' बताकर दावा करता रहा है। भारत का यहाँ बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा और ऊर्जा परियोजनाएँ खड़ी करना इस दावे को व्यावहारिक रूप से निष्प्रभावी बना देता है। यह कदम यह संदेश भी देता है कि भारत केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीमा से लगे इलाकों में विकास की नई धारा बहाएगा। देखा जाये तो यह प्रोजेक्ट भारत की आत्मविश्वासी छवि का प्रतीक है। अब भारत केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं है, बल्कि आक्रामक विकास और सामरिक कदमों के जरिए चीन की चालों को संतुलित करने में जुटा है।

हम आपको यह भी बता दें कि ओजु प्रोजेक्ट से भारत को कई स्तरों पर लाभ होगा। जैसे– 2,220 मेगावॉट उत्पादन पूर्वोत्तर राज्यों को आत्मनिर्भर बनाएगा और राष्ट्रीय ग्रिड को भी मज़बूत करेगा। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर रोज़गार सृजन होगा और आधारभूत ढाँचे का विकास होगा। साथ ही यह परियोजना चीन को यह संदेश देगी कि भारत भी जल संसाधनों का उपयोग सामरिक हथियार की तरह कर सकता है। वहीं भारत अपने विकासशील राष्ट्र के एजेंडा के तहत यह दिखा सकेगा कि वह पर्यावरणीय सतर्कता के साथ बड़े प्रोजेक्ट पूरे कर सकता है।

हम आपको बता दें कि विशेषज्ञ समिति ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देते समय कई शर्तें भी जोड़ी हैंकृ जैसे ग्लेशियर झील फटने (ळसंबपंस संम व्नजइनतेज थ्सववक) के खतरे को ध्यान में रखना, रीयल–टाइम अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाना और पाँच साल बाद पर्यावरणीय असर की समीक्षा करना। यह जरूरी है, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र भूकंपीय और पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील है। यदि संतुलन नहीं रखा गया तो लाभ से ज़्यादा नुकसान भी हो सकता है।

बहरहाल, ओजु जलविद्युत परियोजना केवल एक ऊर्जा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत का भू–राजनीतिक बयान है। यह बताता है कि भारत अब चीन की जल–राजनीति का जवाब अपने दम पर देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी की अरुणाचल यात्रा के बाद यह फैसला यह संदेश देता है कि भारत अपनी सीमाओं और संसाधनों पर किसी भी बाहरी दावे या दबाव को स्वीकार नहीं करेगा। भारत अब उस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है जहाँ विकास और सुरक्षा दोनों हाथ में हैं। चीन की चुनौती का जवाब केवल सैन्य मोर्चे पर नहीं, बल्कि जलविद्युत और विकास के मोर्चे पर भी दिया जाएगा।

पंजाब को बाढ़ से बचाने को बने कारगर रणनीति

पंजाब में आई हालिया बाढ़ ने व्यापक जन–धन की हानि की है। असामान्य बारिश इसकी वजह बनी, लेकिन बांधों का तर्कसंगत और समयबद्ध प्रबंधन बाढ़ की विभाषिका को कम कर सकता है। भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति रोकने हेतु...

पंजाब में आई हालिया बाढ़ ने व्यापक जन–धन की हानि की है। असामान्य बारिश इसकी वजह बनी, लेकिन बांधों का तर्कसंगत और समयबद्ध प्रबंधन बाढ़ की विभाषिका को कम कर सकता है। भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति रोकने हेतु बांधों का प्रबंधन, जल संग्रहण क्षमता का विस्तार, नदियों के जल प्रवाह को संतुलित एवं सुरक्षित रूप से नियंत्रित करना जरूरी है।

पंजाब ने 1988 के बाद पांचवीं बार विनाशकारी बाढ़ का सामना किया है। इससे पहले, राज्य में 1993, 2008, 2019 और 2023 में विनाशकारी बाढ़ आई थी। संयोगवश, इन बाढ़ों के लिए केवल सतलुज और व्यास नदियां ही ज़िम्मेदार रही हैं। रावी नदी केवल इस साल ही रौद्र रही। बाढ़ का पैटर्न कमोबेश हर बार जाना–पहचाना होता है। इस साल, अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले दो सप्ताहों में सतलुज और व्यास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश हुई, जबकि दोनों नदियों पर बने बांधों के जलाशय पहले ही अधिकतम भंडारण स्तर तक भर चुके थे। परिणामस्वरूप, जलाशयों को सुरक्षित और इष्टतम स्तर पर बनाए रखने के लिए स्पिल–वे से प्रचुर मात्रा में पानी छोड़ना पड़ा, जो पूरे वेग से निकला। इस निकासी के साथ–साथ, दोनों बांधों के निचले उप–पहाड़ी इलाकों से उत्पन्न भारी वर्षा जल प्रवाह ने भी दोनों नदियों को उफान पर ला दिया, जिससे राह में पड़ने वाले कमज़ोर तटबंध टूट गए और बड़ी संख्या में गांवों के खेत जलमग्न हो गए।

इस बार, तीनों नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की तुलना में उप–पहाड़ी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के कारण विनाशकारी बाढ़ आई और बांधों के निचले इलाकों में लाखों क्यूसेक पानी पैदा होकर प्रवाहित हुआ। उदाहरणार्थ, 7 सितंबर तक, बीबीएमबी ने केवल सीमित मात्रा में पानी छोड़ा, जो बिजली संयंत्रों को उनकी निर्धारित क्षमता पर चलाने के लिए आवश्यक था। सतलुज और ब्यास नदियों में पानी की आमद लगभग पूरी तरह से बांधों से निचले इलाके की सहायक नदियों एवं अन्य धाराओं द्वारा लाए गए प्रचुर जल–प्रवाह के कारण थी। उदाहरण के लिए, स्वां और सिरसा नामक दो बड़ी सहायक नदियों सहित अन्य 16 धाराएं हैं, जो नंगल बांध और रोपड़ हेडवर्क्स के बीच के इलाके में सतलुज में आन मिलती हैं। इन 16 धाराओं का संयुक्त प्रवाह 3.0 लाख क्यूसेक से अधिक रहा।

रावी नदी के मामले में प्रवाह का पैटर्न थोड़ा अलग हो सकता है। यहां, बीबीएमबी के विपरीत, पंजाब के सिंचाई विभाग ने रणजीत सागर जलाशय के आंतरिक प्रवाह और बाह्य प्रवाह के आंकड़े मीडिया को नहीं बताए हैं। ऐसी संभावना है कि स्पिल–वे से 600 मेगावाट बिजली संयंत्र चलाने के लिए आवश्यक मात्रा से अधिक पानी छोड़ा गया हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि रणजीत सागर जलाशय की वर्तमान भंडारण क्षमता केवल 2.33 बिलियन क्यूबिक मीटर है, जोकि पौंग बांध जलाशय के 30 प्रतिशत और भाखड़ा जलाशय के 38 प्रतिशत जितनी है। इसके अलावा, रणजीत सागर, पौंग बांध और भाखड़ा बांध जलाशयों का क्षेत्रफल क्रमशः 52, 241 और 168 वर्ग किलोमीटर है। यह तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जलाशय के छोटे आकार के कारण रणजीत सागर बांध विराट मात्रा में आए पानी को संभालने में असमर्थ है और स्पष्टतः अधिकतम प्रवाह को नियंत्रित नहीं कर सकता। रावी नदी से लगभग 4. 0 लाख क्यूसेक अभूतपूर्व प्रवाह का यह एक और कारण हो सकता है।

फिर, डलहौजी के पास रावी नदी के ऊपर की ओर, 121 मीटर ऊंचा चिमेरा बांध है और इसका कुल संग्रहण क्षेत्र लगभग 0.45 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) है। इसी प्रकार, भाखड़ा बांध के ऊपर की ओर 167 मीटर ऊंचा कोल बांध का संग्रहण क्षेत्र 0.6 अरब घन मीटर में है। दुर्भाग्य से, इन दोनों बांधों को नदी–प्रवाह (रन ऑफ द रिवर) परियोजनाओं के रूप में डिज़ाइन किया गया है। अधिकतम संभव विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए, इनके जलाशयों को वर्ष भर ऊपर तक भरा रखा जाता है। यदि इन दोनों बांधों को भी संग्रहण बांधों के रूप में डिज़ाइन किया गया होता, तो इनके जलाशय आपातकालीन अवधियों के दौरान बड़े आने वाले जल प्रवाह को अपने अंदर समाहित रणजीत सागर तथा भाखड़ा बांधों के स्पिल–वे पर चरम प्रवाह के बोझ को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते थे।पंजाब के आठ जिलों के 2000 गांवों में बाढ़ के भयावह स्तर और इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था की व्यापक क्षति को देखते हुए, पंजाब और केंद्र सरकार, दोनों को तत्काल निवारक उपाय करने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में इस प्रकार की भयावह बाढ़ की स्थिति फिर कभी न बने। ये उपाय अल्पकालिक और दीर्घकालिक, दोनों होने चाहिए, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है।

अल्पकालिक उपाय के रूप में भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्षा के पूर्वानुमान सही निकलते पाए जाने पर, बीबीएमबी को 20 अगस्त के आसपास दोनों बांधों में जलाशय स्तर को पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) से कम–से–कम एक मीटर नीचे रखना चाहिए ताकि अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में अधिक जल प्रवाह को समायोजित किया जा सके। रणजीत सागर बांध के इंजीनियरिंग विंग भी ऐसी नीति अपनाए। दूसरा, सभी पुलों के नीचे के जलमार्गों से जमा हुई तमाम गाद को पूरी तरह से साफ़ किया जाए। इसी प्रकार, वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले सभी वेयर्स और बैराजों के गेटों की कार्यक्षमता की जांच हो। कीचड़ व मलबे के कारण माधोपुर हेडवर्क्स के केवल पांच गेट ही खोले जा सकें।

तीसरा, सिंचाई विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि तीनों नदियां सुरक्षित तरीके से 4.5 लाख क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए विभाग मौजूदा कमजोर तटबंधों को मज़बूत करे, खनन ठेकेदारों द्वारा तटबंधों पर लगाई सेंधों को बंद करे, पूरक तटबंध बनाए, नदियों के पूरे रास्ते भर तटबंधों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पर और ग्रोइन बनाए जाएं जो अगली बरसात से पूरा हो जाना चाहिए। इसी तरह, सतलुज नदी के हरिके और हुसैनीवाला बैराज के बीच के 53 किलोमीटर के हिस्से में नदी प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि एकीकृत हुई नदी, सतलुज और ब्यास के संयुक्त प्रवाह को सुरक्षित रूप से संभाल पाए।

नवरात्रि में बादाम खीर के दिव्य भोग से मां दुर्गा को करें प्रसन्न, हर मनोकामना होगी पूर्ण!

दिव्यांशी भदौरिया ।

शारदीय नवरात्रि 2025 में मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए बादाम खीर का भोग विशेष फलदायी होता है। यह लेख नवरात्रि व्रत के दौरान देवी को अर्पित की जाने वाली बादाम खीर की सरल और स्वादिष्ट रेसिपी प्रस्तुत करता है। इस फलहार प्रसाद को श्रद्धापूर्वक बनाकर भक्त अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर सकते हैं।

सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व का खास महत्व होता है। इस बार 22 सितंबर 2025 से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए भक्तजन नौ दिनों तक पूजा–अर्चना और व्रत करते हैं। नवरात्र में मां दुर्गा के कीर्तन घर–घर में होते हैं। आप भी मां के कीर्तन के भोग के लिए या फिर मां दुर्गा के प्रसाद के लिए बादाम की खीर बना सकती हैं। यदि आप भी नवरात्रि में श्राद्धा के साथ मां का भोग बनाएंगे तो देवी दुर्गा प्रसन्न होकर आपकी सारी मानोकामना पूर्ण करेंगी। आइए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी। इस प्रसाद को आप फलाहर में भी खा सकती हैं।

ववउपदह व्यस ॅपजी व्नक थ्तंहतंदबमस्म ।त्छ डव्ल्

बादाम खीर बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप फुल क्रीम दूध
- 1/2 कप बादाम की कतरन
- 2 बड़े चम्मच घी
- चीनी स्वादानुसार
- चुटकीभर केसर के धागे
- 1/2 चम्मच हरी इलायची पाउडर

बादाम खीर बनाने का तरीका

बादाम खीर बनाने के लिए एक कड़ाही लें और उसमें अब घी गर्म करके इसमें मखाने और बादाम की कतरन डालकर धीमी आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक भून लीजिए। अब इन चीजों को साइड में रख दें। अब आप एक बड़े बर्तन में दूध और केसर डालकर इस दूध में उबाल आने तक इसे धीमी आंच पर पकने दीजिए और इसे आप चलाते रहें वरना दूध जल जाएगा। अब दूध में चीनी डालकर अच्छी तरह घुलने दें। जब चीनी दूध में धुल जाए तो इसमें भुने हुए मखाने और बादाम की कतरन मिला दें। जब खीर में गाढ़ापन आने लगे तो इस मिश्रण को धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मखाने नरम और दूध थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। और आपकी बादाम की खीर बनाकर तैयार है। इसे जब परोसे तो ऊपर से थोड़ा भुना मखाना और बादाम डालकर गार्निश करें। बादाम खीर को मां दुर्गा को भोग लगाएं फिर इसके बाद आप इसे फलाहर के तौर पर खा सकते हैं।

पुस्तकें जो बन जाती हैं दर्द में दवा

अस्पतालों में पुस्तकालय दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक

दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है।तमिलनाडु के तिरुचि के महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में एक उपेक्षित कोने में शुरू हुआ पुस्तकालय मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों के लिए सुकून, ज्ञान और समय बिताने का माध्यम बन गया है। यहां कुछ पुस्तकें, पत्रिकाएं और अंग्रेज़ी–तमिल अख़बार उपलब्ध हैं। कोविड काल में यह सिद्ध हो चुका है कि मनोरंजक किताबें मरीजों के उपचार में बेहद सहायक होती हैं।

कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को एकांतवास में रखा जाता था। लेकिन आए दिन एकांतवास केंद्रों से मरीजों के झगड़े या तनाव की खबरें आ रही थीं। तब जिला प्रशासन ने नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 200 बच्चों की पुस्तकें वहां वितरित कर दीं। रंग–बिरंगी पुस्तकों ने मरीजों के दिल में जगह बना ली और वे खुश नजर आने लगे। उनका समय पंख लगाकर उड़ गया। डॉक्टरों ने भी माना कि पुस्तकों ने क्वारंटीन किए गए लोगों का तनाव कम किया, उन्हें गहरी नींद आई और सकारात्मकता का संचार हुआ। इससे उनकी स्वास्थ्य लाभ की गति भी बढ़ी।

दिल्ली में भी छतरपुर स्थित राधास्वामी सत्संग में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े क्वारंटीन सेंटर में हजारों पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई। यहां नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक हजार किताबों के साथ उनकी पत्रिका 'पाठक मंच' बुलेटिन और 'पुस्तक संस्कृति' के सौ–सौ अंक भी रखे। वहां भर्ती मरीज जल्दी स्वस्थ और प्रसन्न दिखे।

देश के अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों की उपस्थिति भीड़ और अव्यवस्था का बड़ा कारण है, क्योंकि वे अक्सर बिना काम के प्रतीक्षा क्षेत्र में समय बिताते हैं और मानसिक थकान का शिकार हो जाते हैं जिससे अस्पताल प्रणाली पर भी दबाव बढ़ता है। तिरुची के अस्पताल के पुस्तकालय ने ऐसे तीमारदारों को सकारात्मक और व्यस्त रखने का समाधान खोजा है। दुनिया के विकसित देशों के अस्पतालों में पुस्तकालय की व्यवस्था का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। अमेरिका में 1917 में सेना के अस्पतालों में लगभग 170 पुस्तकालय स्थापित किए गए थे। ब्रिटेन में सनङ 1919 में वार लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। इसके बाद आज अधिकांश यूरोपीय देशों के अस्पतालों में मरीजों को व्यस्त रखने और ठीक होने का भरोसा देने के लिए ऐसी पुस्तकों की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक अस्पतालों में तो आम लोग भी पुस्तकें पढ़ने के लिए ले सकते हैं। इंग्लैंड के मैनचेस्टर के क्रिस्टी कैंसर अस्पताल का पुस्तकालय तो पुस्तकों का वर्गीकरण रंगों के अनुसार करता है। जापान के अस्पतालों में बच्चों की किताबें बहुतायत में मिलती हैं और उन्हें अक्सर वयस्क ही पढ़ते हैं।भारत में तकरीबन अड़तीस हजार अस्पताल हैं, जिनमें कोई आठ लाख से अधिक मरीज हर दिन भर्ती होते हैं। इनके साथ तिमारदार भी होते हैं। अनुमान है कि कोई बीस लाख लोग चौबीसों घंटे अस्पताल परिसर में होते हैं। इनमें बीस फीसदी ही बेहद गंभीर होते हैं, शेष लोग बुद्धि से चौतन्य और ऐसी अवस्था में होते हैं जहां उन्हें बिस्तर पर लेटने या बाहर अपने मरीज का इंतजार करना एक उकताहट भरा काम होता है।

आमतौर पर बड़े अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए टीवी, अक्सर तनाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाते हैं जबकि मोबाइल फोन अफवाहों और झूठी सूचनाओं का जरिया बन चुके हैं। इससे मरीजों का मानसिक संतुलन और तीमारदारों की शांति दोनों प्रभावित होती है। सर्वविदित है कि पुस्तकें एकांत में सबसे अच्छा साथ निभाती हैं। ये काले छपे हुए शब्द, दर्द और उदासी के दौर में दवा का काम करते हैं। हर किसी की जिंदगी में कुछ अच्छी किताबों का होना जरूरी है। किताबें सिर्फ मनोरंजन या इम्तिहान उत्तीर्ण करने के लिए नहीं होतीं, जिंदगी के रास्ते बनाने के लिए होती हैं। किताबों में हर मुश्किल सवाल, परिस्थिति का हल भले ही न छुपा हो लेकिन दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है।यदि देश के सभी जिला अस्पतालों, मेडिकल कालेज और बड़े समूह के निजी अस्पतालों में हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषा की अच्छी पुस्तकें रखी जाएं, प्रत्येक भर्ती मरीज से कुछ रुपये लेकर उनका पुस्तकालय से एक या दो किताबों जारी करने का कार्ड बना दिया जाए तो यह नए तरीके का पुस्तकालय अभियान बन सकता है।यदि प्रशासन या अस्पताल चाहें तो हर शहर में कुछ साहित्यप्रेमी लोग, सेवानिवृत्त जागरूक व्यक्ति ऐसे पुस्तकालयों के लिए निरूशुल्क सेवा देने को भी तैयार हो जाएंगे। प्रारंभ में साहित्य, सूचना, बाल साहित्य की पुस्तकें रखी जाएं जो मरीज या तिमारदार को भाषा–विषय–वस्तु और प्रस्तुति के स्तर पर ज्यादा कठिन न लगे।

महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू व विशिष्ट अतिथियों ने साझा किया पं. दीनदयाल का जीवन दर्शन

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर संगोष्ठी व माल्यार्पण

संवाददाता

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब लखनऊ में मंगलवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान प्रांगण में उनकी विशाल प्रतिमा पर संस्थान के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल प्रतिभागी अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथि वक्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशानुसार पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान के बुद्धा सभागार में

आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने पं. उपाध्याय के राष्ट्र प्रेम, एकात्म मानववाद तथा अंत्योदय के विचारों पर विस्तार से चर्चा की। "अग्नि आपदा प्रबंधन" और "ग्रामीण आजीविका मिशन" जैसे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों ने भी अपने विचार रखे।

> कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का उद्देश्य सत्ता का इस्तेमाल शासन के लिए नहीं बल्कि समाज की सेवा के लिए था। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि किसी भी समाज की प्रगति तभी संभव है

विशिष्ट अतिथि वक्ताओं ने रखे विचार

संगोष्ठी में इस्कॉन के आध्यात्मिक गुरु दिव्य मिताई दास और भारत चरित्र निर्माण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रामकृष्ण गोस्वामी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के वैचारिक दर्शन को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए उनके मिशन और कर्मयोगी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का विचार दर्शन पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से अलग है, जिसमें व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के बीच संतुलन और समरसता को महत्व दिया गया है।

महानिदेशक और अधिकारियों ने बताए विचार

कार्यक्रम में अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति

कार्यक्रम में राज्य मद्यनिषेध अधिकारी आर.एल. राजवंशी ने भी विचार रखे। निदेशक राजीव कुमार दूबे ने किया और आभार प्र0अपर निदेशक सुबोध दीक्षित ने व्यक्त किया। प्रतिभागियों ने इसे प्रेरणादायी और समाज को नई दिशा देने वाला आयोजन बताया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्थान के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के "एकात्म मानववाद" दर्शन ने भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों को नई दिशा दी। उपाध्याय का दर्शन केवल राजनीतिक या आर्थिक विचार नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए एक पूर्ण जीवन दृष्टि है।

वर्टिकल बिजली व्यवस्था से होगी परेशानी

कर्मचारी बोले- दुर्घटनाएं बढेंगी, 1200 की नौकरी जाएगी

, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बिजली की वर्टिकल व्यवस्था लागू करने के विरोध में कर्मचारी संगठन उतर आए हैं। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन निविदा और संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ ने बैठक कर कहा कि इससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद की अध्यक्षता में तालकटोरा में बैठक की गई। इसका संचालन प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन की वर्तमान व्यवस्था की तुलना में वर्टिकल व्यवस्था में बिजली उपभोक्ताओं को अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। राजस्व वसूली पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों कि दुर्घटनाओं में वृद्धि होगी। लगभग 1200 बिजली आउटसोर्स कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पावर कॉरपोरेशन की वर्तमान

व्यवस्था में छोटे-छोटे क्षेत्रों के उपभोक्ताओं कि देखरेख करनी होती है, जिससे कर्मचारियों को उपभोक्ताओं कि समस्याओं का समाधान करने में कम समय लगता है। वर्टिकल व्यवस्था लागू होने पर वर्टिकल व्यवस्था में कार्य क्षेत्र बड़ा होता है, जिसके कारण कर्मचारियों को उपभोक्ताओं कि समस्याओं का समाधान करने में अधिक समय लगेगा। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि लखनऊ में एक ही खंभे पर LT व HT लाइनों का संचालन होने से कर्मचारियों के लिए जोखिम है। कर्मचारियों की कम संख्या होने से दुर्घटना का अधिक खतरा है।

फास्ट न्यूज

युवक गोमती नदी में कूदा

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। आधे घंटे तक युवक पानी में हाथ-पैर मारता रहा। बचने के लिए तैरने की कोशिश करता रहा। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया। गोताखोरों की मदद से युवक को नदी से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। घटना बुधवार देर रात 1090 चौराहे के पास गोमती नदी पुल पर हुई।

आप सरयू से संगम तक 200 किमी निकालेगी पदयात्रा

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। गुरुवार को आप के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में पार्टी 200 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकालेगी, जो 31 अक्टूबर को अयोध्या से शुरू होकर 15 नवंबर को प्रयागराज के संगम पर समाप्त होगी। संजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा बेरोजगारी और आरक्षण घोटाले के खिलाफ है।

महिला सफाई कर्मी को नेवले ने काटा

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने नेवले के काटने से सफाई कर्मचारी की मौत पर एक लाख रुपए की सहायता राशि दी है। इस दौरान एक नेवले ने काट लिया था, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। इस पर अपर नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने मृतका के परिजनों से भेंट कर उन्हें 1,00,000 (एक लाख रुपए) की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। लखनऊ नगर निगम शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता है।

केशव प्रसाद मौर्य ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रभक्त, एवं महान चिंतक परम श्रद्धेय पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय राजनीतिक मूल्यों के प्रतीक, एकात्म मानववाद और अंतोदय जैसे प्रगतिशील तथा सर्वसमावेशी विचारों के प्रतिपादक ,प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल जी के जीवन दर्शन को न केवल हम सबको अनुसरण करना चाहिए, बल्कि उसे आत्मसात भी करना चाहिए । कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने

समाज के अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए हमेशा काम किया। उनके अमूल्य विचार राष्ट्र को सदा प्रेरित करते रहेंगे।श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अपने जीवन को राजनीति की शुचिता, पारदर्शिता और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनका 'अंत्योदय' का विचार सामाजिक समरसता और समग्र विकास का मार्गदर्शक बना। श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जिस उज्ज्वल भविष्य का स्वप्न दिखाया था,आज यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वही साकार हो रहा है, जहाँ सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँच रहा है।

एलएसए के खिलाफ नारेबाजी

लखनऊ। लखनऊ के आईआईएम रोड स्थित बालाजी कॉलोनी के लोगों ने कूड़ा कलेक्शन और सफाई करने वाली लखनऊ स्वच्छता अभियान (LSA) के खिलाफ नारेबाजी की है। इस मौके पर पोस्टर बैनर लेकर लोग सड़क पर उतरे। सोसाइटी के अध्यक्ष अंशु अवस्थी ने बताया कि कंपनी ने कॉलोनी में कूड़ा घर बना दिया गया है। चार्जिंग स्टेशन के नाम पर सोसाइटी में अराजकता का माहौल है। लोगों ने LSA कूड़ा कंपनी को सोसाइटी से हटाने की मांग की है। हाथ में स्वच्छता नारे लिखे हुए पोस्टर और कैंडल लेकर मार्च निकाला गया। LSA कंपनी के कार्य स्थल पर जाकर प्रदर्शन किया गया। लोगों ने कहा कि कॉलोनी के अंदर इस तरीके की गतिविधियां संक्रमण और बीमारियों को जन्म देंगी। स्थानीय निवासी वीरेंद्र पांडे ने कहा कि कॉलोनी के अंदर हम किसी भी कीमत पर यह कूड़ा घर और चार्जिंग स्टेशन बनाने नहीं देंगे। नगर निगम मिलकर इनको सह दे रहा है।

विधानसभा भ्रमण पर पहुंचे एमपी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र

विधायिका और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर दी जानकारी

संवाददाता

लखनऊ। कानपुर के महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं का एक दल आज विधानसभा भ्रमण हेतु लखनऊ पहुंचा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहन जानकारी साझा की। श्री महाना ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक विधायक अपनी जनता से सबसे निकट जुड़ा होता है। उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में काम करना होती है। उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव जीतना अपेक्षाकृत सरल हो सकता है, किंतु लगातार जनता का विश्वास अर्जित करना कहीं अधिक

कठिन कार्य है। यही किसी जनप्रतिनिधि की असली पहचान है। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को विधायिका की भूमिका और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायिका ही वह सर्वोच्च मंच है जहां जनता की आवाज उठती है, समस्याओं पर चर्चा होती है और उनके समाधान के लिए कानून बनाए जाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका कभी खराब नहीं हो सकती, केवल उससे जुड़े व्यक्ति यदि अपने कर्तव्यों से विमुख हों तो उसकी छवि प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे में जनता से जुड़े प्रतिनिधि ही प्रदेश की दिशा और गति तय करते हैं। विधायक अपने क्षेत्र की नब्ज पहचानता है और उसी अनुभव के आधार पर प्रदेश व देश के लिए नीतियां तैयार होती हैं। छात्रों से संवाद करते हुए श्री महाना ने उनसे आग्रह किया कि वे इस अनुभव को केवल अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने घर-परिवार और मित्रों के साथ भी साझा करें। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रमण युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था और प्रतिबद्धता को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होते हैं। भ्रमण के दौरान छात्रों ने विधानसभा की कार्यप्रणाली का निकट से अवलोकन किया और कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे।

2 मंजिला मकान में लगी भीषण आग

दमकल की 2 गाड़ियां 3 घंटे में काबू पा सकीं

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 2 मंजिला मकान में गुरुवार तड़के भीषण आग लग गई। अंदर सो रहे लोगों ने जैसे-तैसे मकान से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना गोमती नगर के विशेष खंड में सुबह छह बजे हुई। FSO गोमती नगर ने बताया- सुबह करीब 6:26 पर फायर स्टेशन को सूचना मिली कि बी-3/175, विशेषखंड में आग लगी है। सूचना मिलते ही 2 दमकल गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। आग को काबू में करने के लिए लगातार 3 घंटे तक पानी की पंपिंग की गई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घरेलू

सामान जलकर राख हो गया। मकान बीना अग्रवाल पत्नी श्री कृष्णमुरारी अग्रवाल का है, जो परिवार समेत वहीं निवास करती हैं। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। अंदर सो रहे लोगों ने जैसे-तैसे मकान से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पैर में लगी गोली, हिस्ट्रीशीटर ममेरा भाई फरार, व्यवसायी की गई थी जान

स्कूटी पर लात मारने वाले लुटेरे का एनकाउंटर

. एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम में गुरुवार तड़के पुलिस ने दौड़ाकर लुटेरे को गोली मारी। बाएं पैर में गोली लगने से लुटेरा चलने लायक नहीं बचा। पुलिस ने उसे टांगकर गाड़ी में बैठाया और अस्पताल ले गई। इस दौरान उसका हिस्ट्रीशीटर ममेरा भाई अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। दोनों ने जानकीपुरम के व्यवसायी अतुल जैन (42) से चेन लूट ली थी। पीछा कर रहे अतुल की स्कूटी पर लात मार दी थी ,जिससे वह अनियंत्रित होकर गिर गए थे। उनकी मौत हो गई थी। पुलिस तब से लुटेरों की तलाश कर रही थी।

चोर-चोर चिल्लाते हुए गाड़ी के पीछे भागा था

स्थानीय लोगों ने बताया था कि अतुल चोर-चोर चिल्लाते हुए एक गाड़ी के पीछे भाग रहा था। तभी अपाचे सवार 2 लड़कों ने स्कूटी में लात मार दी। अतुल एवी सर्विस नाम से कूरियर और टूर एंड ट्रैवल का काम करता था।

> डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया- जानकीपुरम इलाके में संदिग्ध सफेद अपाचे बाइक देखी गई। पुलिस ने बाइक सवार को रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी।

50 मीटर दूर तक घिसटती गई स्कूटी

अपाचे सवार बदमाशों ने अतुल की स्कूटी पर बचने के लिए लात मारी, जिसकी वजह से अतुल बेकाबू होकर गिर गया था। करीब 20 दूर खड़े डाले के नीचे जाकर घुस गया था। वहीं स्कूटी 50 मीटर दूर सड़क पर घिसटती चली गई थी। अतुल के सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद वहां भीड़ जमा हो गई थी। इसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया था।

व्यवसायी की हुई थी मौत

लखनऊ के जानकीपुरम में चार दिन पहले अतुल कुमार जैन सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। इस दौरान चेन स्नेचर ने उनकी चेन छीन ली थी। अतुल लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने लगे। इस समय स्कूटी की स्पीड 80 किमी प्रति घंटा थी। इस दौरान उन्होंने बदमाशों को ओवरटेक किया। बदमाश जैसे ही पीछे हुए कि अतुल की स्कूटी पर लात मार दी। इससे स्कूटी अनियंत्रित हो गई वह स्कूटी सहित घिसटते हुए पिकअप के नीचे चले गए। मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। स्कूटी उनसे 50 मीटर और दूर पहुंची।

आरोप : थाईलैंड-मलेशिया से आ रही सप्लाई, दिल्ली-पंजाब में डिलीवरी, लखनऊ एयरपोर्ट बना ट्रांजिट प्वाइंट

2 महीने में 44 करोड़ का गांजा पकड़ा

. एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर पिछले 2 महीने में 44.50 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी गई है। ड्रग्स के साथ गिरफ्तार तस्करों से पता चला है कि एयरपोर्ट को ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। थाईलैंड, मलेशिया और कनाडा से यहां ड्रग्स लेकर आते हैं। यहां से दिल्ली, पंजाब और अन्य मेट्रो सिटीज में भेजी जाती है। उसके बाद ग्राहकों तक पहुंचती है। तस्करों से मिली इस जानकारी के बाद सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) ने सतर्कता और बढ़ा दी है। पैसेंजर और उनके लगेज बैग्स पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। थाईलैंड, मलेशिया, कनाडा, बैंकॉक, क्वालालंपुर और दुबई से आने वाली फ्लाइट्स के पैसेंजर्स पर

खास निगरानी की जा रही है, क्योंकि अब तक पकड़ी गई ड्रग्स इन्हीं देशों की फ्लाइट्स से आए पैसेंजर्स के पास मिली। 17 सितंबर को बैंकॉक से आए 2 पैसेंजर के बैग में 8 वैक्यूम पैक पॉलिथीन मिली। जांच में उनमें से 4.917 किलो हाइड्रोपोनिक वीड ड्रग्स बरामद हुई। अधिकारियों का कहना है कि हर फ्लाइट में आने वाले हर बैग चेक करना संभव नहीं है। शक के आधार पर ही बैग रोके जाते हैं। पिछले दो महीने में 4 बड़ी बरामदगियां की गई हैं। जिन पर शक नहीं होता है, वे बैग आसानी से पार हो जाते होंगे।

तस्करी का नया हब बन रहा लखनऊ एयरपोर्ट

कस्टम के अधिकारियों के मुताबिक, लखनऊ अब स्मगलिंग नेटवर्क के लिए ट्रांजिट प्वाइंट बनता जा रहा है। यहां से दिल्ली, मुंबई और पंजाब भेजी जाती है। पिछले 2 महीने में कस्टम टीम ने चार बड़ी बरामदगियां की हैं। कुल 44.5 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड (हाई-क्वालिटी गांजा) और अन्य नशीले पदार्थ पकड़े गए हैं।

अलग-अलग तरीके से ड्रग्स छिपाकर ला रहे तस्कर

कस्टम के अधिकारियों ने बताया कि हर बार तस्कर अलग-अलग तरीके से माल छिपाकर लाते हैं, लेकिन टीम अपनी सतर्कता से उन्हें पकड़ ले रही है। एयरपोर्ट पर ग्रीन चैनल से निकलते समय यात्रियों की बॉडी लैंग्वेज और लगेज बैग्स पर टीम नजर रखती है। एक्स-रे स्कैनिंग, इंटेलिजेंस इनपुट और रैंडम चेकिंग से ज्यादातर केस पकड़े जा रहे हैं।

> अधिकारियों का कहना है कि हर फ्लाइट में आने वाले हर बैग चेक करना संभव नहीं है। शक के आधार पर ही बैग रोके जाते हैं। पिछले दो महीने में 4 बड़ी बरामदगियां की गई हैं। जिन पर शक नहीं होता है, वे बैग आसानी से पार हो जाते होंगे।

156 घंटे महासफाई अभियान

110 वार्डों में चलाई गई स्वच्छता की मुहिम, मेयर ने लगाई झाड़ू.

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में स्वच्छता ही सेवा एक दिन एक घंटा एक साथ अभियान चलाया गया। 156 घंटे के सफाई अभियान का मेयर सुषमा खर्कवाल ने शुभारंभ किया। विशेष अभियान की शुरुआत जोन-8 के पावर हाउस चौराहा, विद्यावती तृतीय वार्ड से हुई। मेयर ने कहा कि यह अभियान केवल सफाई कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की जीवनशैली में स्वच्छता को शामिल करने का प्रयास है। "स्वच्छ लखनऊ का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।" स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अंबेडकर नगर वार्ड, जोन-2 स्थित न्यू ऑल माइटी स्कूल में बच्चों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण के बारे में बताया गया। बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश

दिया और शपथ ली कि वे सदैव अपने आस-पास सफाई रखेंगे। इसी क्रम में राजाजीपुरम, लेबर कॉलोनी और मोतीलाल नेहरू वार्ड में "एक दिन एक घंटा एक साथ" अभियान के तहत श्रमदान हुआ। गलियों और पिछली सड़कों की सफाई की गई तथा नागरिकों को सफाई और स्वच्छ आदतों का महत्व बताया गया। अटल विहारी वार्ड में नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण के महत्व से अवगत कराया गया। हिंद नगर और शारदा नगर वार्डों में लोगों ने एकल उपयोग प्लास्टिक से परहेज करने और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। विद्यावती वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यहां महापौर स्वयं श्रमदान में शामिल हुईं और निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। जोन-4 और 7 के हुसड़िया, हनुमान और भूतनाथ मार्केट में नगर निगम की टीम ने दुकानदारों को चार रंगों के डस्टबिन (नीला- सूखा, हरा- गीला, काला- घरेलू हानिकारक और पीला- सैनिटरी वेस्ट) के उपयोग के बारे में जानकारी दी। साथ ही प्लास्टिक प्रदूषण के नुकसान समझाए। जोन-5 के गीता पाली, चित्रगुप्त नगर और गुरु नानक वार्ड में गलियों की सफाई कर लोगों को कचरे के पृथक्करण का महत्व बताया गया गोल मार्केट पार्किंग परिसर (जोन-3), भूतनाथ मंदिर परिसर (जोन-7) और ग्वारी चौराहा पर सामूहिक सफाई अभियान आयोजित किया गया।

मिशन शक्ति के तहत ग्राम पंचायत गुतासी मैं आयोजित हुई मीटिंग की मुख्य अतिथि सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय रही

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता

फर्रुखाबाद के थाना मऊदरवाज क्षेत्र के गुतासी मे मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को और स्कूल की छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया की सरकार के द्वारा चलाई गई योजना नारी शक्ति मिशन के तहत महिलाओं को अगर

कोई परेशान करता है तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करें शिकायत करता का नाम गोपनीय रखा जाएगा उन्होंने स्कूल की छात्राओं को बताया की अगर आप लोगों को रोड पर चलते समय कोई भी व्यक्ति परेशान करता है तो आप घबरा ना तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करें इसी दौरान सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय मऊ दरवाजा अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ग्राम प्रधान आशीष मिश्रा सरिता मिश्रा ने सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय को राधा कृष्ण की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया इसी दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी ओम पांडे डॉक्टर अंकिता मौजूद रही।

फर्रुखाबाद में पहुंचे किसानों के मसीहा राकेश टिकैत ने सदा सरकार पर निशाना

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के हथियापुर में आयोजित हुई किसन की महापंचायत में सैकड़ो की तादाद में उमडा जन सैलाब किसान की प्रमुख मांगों को लेकर राकेश टिकैत ने हथियापुर के मंच से सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की जो सरकार के द्वारा फर्रुखाबाद होते हुएआगरा एक्सप्रेस वे में जो होते हुए लिंक एक्सप्रेसवे नीम करोली गुतासी अधिवली हथियापुर आवाजपुर गंगा पार क्षेत्र होते हुए निकल रहा है उसे लिंक एक्सप्रेस में जो तीन कट दिए जा रहे हैं उन पर किसानों की हजारों बीघा जमीन ली जा रही है जिसकी जरूरत नहीं है दूसरी मांग गंगा पर बांध

बनाने की उठाई हर साल बांध ना बने के कारण निचले हिस्से में गंगा का पानी भर जाता है जिसके करण अमृतपुर क्षेत्र शमशाबाद क्षेत्र के हजारों किसान रोड पर अपनी झोपड़ी डालकर गुजर बसर करते हैं किसानों के मसीहा राकेश टिकैत ने जिला प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा की अगर बांध ना बनाया गया तो अबकी बार किसान जिला कलेक्टर सभागार में अपना सामान लेकर मवेशियों को लेकर वहीं पर रहेंगे लिंक एक्सप्रेस में जो किसानों की जमीन कम रेट में ली जा रही है उसका सर्किल रेट बढ़कर दिया जाए अनीता भारतीय किसान यूनियन टिकैत किसन की लड़ाई के लिए ऐसे ही संघर्ष करती रहेगी इसी दौरान फर्रुखाबाद के जिला अध्यक्ष अजय कटिहार प्रचार मंत्री राजेश गंगवार प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा वाकई जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम आशुतोष द्विवेदी ने बताया सर्किल रेट से चार गुना बढ़कर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद 13 गांव की जमीन की बिक्री पर रोक गंगा एक्सप्रेसवे पर लिंक रोड पर रिजर्वेशन योजना के लिए चिह्नित की गई ग्रामीणों की जमीन अमृतपुर को फर्रुखाबाद से जोड़ने के लिए प्रस्तावित लिंक रोड परियोजना

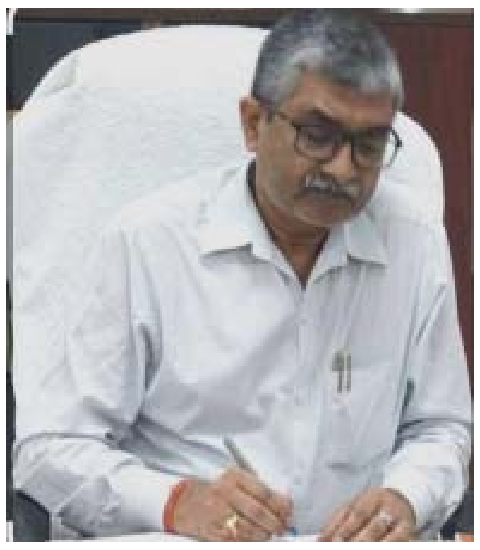

पर प्रशासन ने कवायत शुरू कर दी है तहसील क्षेत्र के 13 गांव की जमीन इस परियोजना के लिए चिह्नित की गई है भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू होने के मध्य नजर इन गांव में जमीन की खरीद फरोक पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया गया है लिंक रोड के जरिए फर्रुखाबाद रजिस्ट्री से पहले लेनी होगी डीएम की अनुमति सेकंड ग्रेड से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा की सीधी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की योजना है अधिग्रहण प्रक्रिया में किसानों को उनकी जमीन का सर्किल रेट से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा ताकि किसी प्रकार का विवाद ना हो जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया की धारा 7 का प्रकाशन होने के बाद तहसील क्षेत्र के 13 गांव में चयनित भूमि बिक्री पर रोक लग गई है राजस्व विभाग को सख्त हिदायत दी गई है कि वह रजिस्ट्री के समय आदेश का कड़ाई से पालन करें अब इन गांव में कोई भी व्यक्ति अपनी जमीन बेचना या खरीदना चाहता है तो उसे पहले जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी इस संबंध में रजिस्ट्री कार्यालय से सभी अधिवक्ताओं को निर्देश जारी कर दिए गए हैं अधिवक्ताओं ने बताया कि इन गांव में लगी रोक रामपुर जोगड़ा चित्रकूट अंबरपुर बीसलपुर गांधी कंचनपुर शेरखान नगला घाट उज्जवल नयागांव गाजीपुर और सबलपुरबिना जिलाधिकारी की अनुमति के कोई भी बैनामा रजिस्ट्री कार्यालय में पेश नहीं किया जा सकेगा क्ड आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि कुछ दिनों में ही सदर के 33 गांव में चयनित भूमिका अधिग्रहण के लिए प्रकाशन कराया जाएगा।

छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर जनता का सच

फखरपुर। मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत चौधरी सियाराम इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में शिक्षिकाओं व छात्राओं को आत्मरक्षा की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का निर्देशन निरीक्षक समर सिंह ने किया। उपनिरीक्षक सुदामा सिंह यादव ने शिक्षिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों से अवगत कराया। अभियान के दौरान विभिन्न हेल्पलाइन नंबर के उपयोग की जानकारी दी गई। इस मौके पर रामानंद यादव,सरिता यादव व बृजेन्द्र शर्मा आदि शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।

स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन

रिसिया। ग्राम बंगला चक के गुरुदत्त पुरवा स्थित बीना देवी बृज नरेश इंटर कॉलेज में संचालित स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिविर का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में परंपराओं को निभाते हुए छात्र–छात्राओं से स्काउट ताली भी बजवाई गई। इसके पूर्व स्काउट टीचर एवं गाइड कैप्टन कायमा व शफीक अहमद ने छात्र–छात्राओं को बिना बर्तन के भोजन बनाना, विभिन्न प्रकार की गांठ लगाना, चादर और डंडे से स्ट्रेचर बनाना तथा कैंप लगाने का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष संजय चिरानिया, श्रवण मित्तल, राम रतन दोचानिया, आनंद मोहन श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव अशोक चौहान, शैलेंद्र पाठक, हरि पाल चौहान तथा शिक्षिका पूजा व सपना आदि मौजूद रहे।

गणित ओलंपियाड में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बहराइच। विद्यार्थियों में गणितीय क्षमता निखारने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र, हुजूरपुर में गणित ओलंपियाड का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों के कुल 74 बच्चे शामिल हुए। चयनित बच्चे अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिला स्तर पर अव्वल छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जूनियर विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की गणितीय प्रतिभा को पहचानने के उद्देश्य से पहले विद्यालय स्तर पर परीक्षा का आयोजन हुआ था। इसमें 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले छात्रों का चयन ब्लॉक स्तरीय परीक्षा के लिए किया गया था। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर गणित ओलंपियाड परीक्षा हुई। खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर चौरसिया ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। परीक्षा का संचालन खंड शिक्षा अधिकारी के साथ प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और ब्लॉक मंत्री इंद्रजीत सिंह, कक्ष निरीक्षक सर्वेश कुमार, कांति सिंह, बज्म आरा, देवव्रत और रवि वर्मा ने किया। इस दौरान बीआरसी के वरिष्ठ सहायक आकाश अवस्थी व प्रदीप कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को जिला स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक जनपद स्तरीय परीक्षा में हासिल करने होंगे।

भट्ठा व्यवसायी की पत्नी को बंधक बना लाखों की लूट

बहराइच। शहर के बक्शीपुरा चांदमारी नई बस्ती मोहल्ले में बृहस्पतिवार दोपहर भट्ठा व्यवसायी अमित कुमार मिश्रा के घर पर नकाबपोशों ने डेढ़ घंटे तक उत्पात मचाया। वारदात के समय घर में अमित की पत्नी प्रियांशी अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची के साथ अकेली थीं। प्रियांशी व मासूम को बंधक बनाकर बदमाश सारा कीमती सामान समेट ले गए। दोपहर बाद अमित घर लौटे तो काफी देर तक आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खुला। आखिरकार उन्होंने दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो पत्नी बंधक बनी हुई थीं। अमित को घटना की जानकारी देते हुए प्रियांशी ने बताया तीन नकाबपोश बदमाश घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी खटका कर भीतर घुस आए। उनको काबू में कर बच्ची समेत कमरे में बंधक बना लिया और फिर घर को लगभग डेढ़ घंटे तक खंगाला। बदमाश 90,000 की नकदी, आभूषण और अन्य सामान समेटकर भाग गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर पंदुप सिंह और दरगाह थाने के उपनिरीक्षक अनूप मणि त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। सीओ ने बताया केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वारदात का अनोखा तरीकाः बदमाशों ने घर में घुसने के लिए मुख्य दरवाजा इस्तेमाल किया, लेकिन निकलते समय छत का रास्ता चुना। उन्होंने घर के अंदर से साड़ियों को छत पर बने कमरे की खिड़की से बांधकर नीचे लटकाया और फिर दो मंजिला मकान से लूट का सामान लेकर उतर गए।

भेड़िये के हमले में बच्चे की हालत गंभीर

बौंडी। सरयू के कछार क्षेत्र में भेड़ियों का हमला बढ़ता जा रहा है। बृहस्पतिवार दोपहर बाद मंझारा तौकली के देवनाथपुरवा गांव में भेड़िया घर के सामने खेल रहे अनिकेश (8) को जबड़े में दबाकर खेतों की ओर भागने लगा। ग्रामीणों के दौड़ाने पर बच्चे को खेत में छोड़ दिया। इस बीच वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे सीएचसी फखरपुर में भर्ती कराया गया है। विजय कुमार का पुत्र अनिकेश दोपहर बाद घर के बाहर खेल रहा था, तभी उसकी चीख सुनाई पड़ी। इसपर परिजन बाहर निकले। देखा कि भेड़िया अनिकेश को जबड़े में दबाकर भाग रहा है। ग्रामीणों के साथ मिलकर लाठी–डंडों के साथ भेड़िये को दौड़ा लिया।इसपर करीब 200 मीटर दूर भेड़िया अनिकेश को खेत में छोड़कर गन्ने में भाग गया, लेकिन तब तक अनिकेश गंभीर रूप से जख्मी हो चुका था। खून से लथपथ उसे सीएचसी फखरपुर ले जाया गया। सरयू कछार में पिछले दो महीने से भेड़िये का हमला हो रहा है। अब तक चार बच्चों की जान जा चुकी है, जबकि 18 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। ऐसे में वे अब लाठी–डंडों और धारदार हथियार लेकर घर से निकल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग अब तक भेड़ियों को पकड़ने में नाकाम रहा है। हर हमले के बाद सिर्फ जाल बिछाने की बात कही जाती है, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकलता। इसे लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। हिंसक वन्यजीवों की खोज के लिए विशेषज्ञ लगातार गश्त कर रहे हैं। ग्रामीणों को हमलों से बचाने के लिए अब तक 1390 से अधिक स्ट्रीट लाइटें, 61 सोलर लाइटें लगाई गई हैं। प्रभावित गांवों में 18 पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि तुरंत अलर्ट किया जा सके। अक्षय त्रिपाठी, जिलाधिकारी बहराइच

''मिशन शक्ति'' के तहत विशेष साइकिल रैली निकल गई

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता

फर्रुखाबाद। 'महिला कल्याण विभाग जनपद फर्रुखाबाद में साइकलोथॉन (मेगा इवेन्ट) मिशन शक्ति की थीम,महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु शारदीय नवरात्रि के पर्व पर दिनांक 22.09.2025 से 90 दिवसीय "मिशन शक्ति" के विशेष अभियान के पांचवे चरण शुरू किये जाने के संबंध में महिला एवं बाल विकास

विभाग द्वारा जारी कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित तिथियों पर सुव्यवस्थितध्सुचारू रूप से कार्यक्रम सम्पादित करने के निर्देश दिये गये हैं ।

उपरोक्त के क्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा जनपद स्तर पर मिशन शक्ति के दूसरे दिवस के अवसर पर साइकलोथॉन (मेगा इवेन्ट)के अंतर्गत स्व0 ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम फतेहगढ़ से बालक एवं बालिकाओं द्वारा साइकिल रैली जिलाधिकारी महोदय, पुलिस अधीक्षक,मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी,सिटी मजिस्ट्रेट, द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तर पर संचालित हब फॉर इम्पॉवरमेन्ट ऑफ वूमेन की टीम, चाइल्ड लाइन आदि के कार्मिकों द्वारा साइकलोथॉन (मेगा इवेन्ट),ध्बाइकध्साइकिल रैली में प्रतिभाग कर विभाग की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं समस्त कल्याणकारी योजनाएं आदि ,की जानकारी देते हुए बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म करना, तथा सरकार द्वारा चलाए गए समस्त टोल फ्री नंबर, विभागीय पंपलेट वितरण कर जनमानस को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों सम्बन्धी राज्यध्जनपद स्तरीय संकेतकों तथा जनसंख्या अनुपात, जन्मध्मृत्यु दर, लिंगानुपात, स्कूल ड्रॉप आउट, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, संस्थागत प्रसव, बच्चों के प्रति हिंसा आदि विषयों को साथ ही साक्षरता दर तथा विभागीय योजनाओं को समाज के सामने रखते हुए उनके सुधार हेतु जागरूक करना है। उक्त कार्यक्रम में सीओ सिटी मैडम, क्रीडा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जीजीआईसी प्रधानाध्यापिका एवं हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की टीमध्समस्त स्टाफ जिला प्रोबेशन कार्यालय और अधिक संख्या में विद्यालय से छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

बहराइच पुलिस की चोरों से हुई मुठभेड़ पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक अभियुक्त के पैर में लगी गोली व दो अन्य अभियुक्त भी हुए गिरफ्तार

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर जनता का सच

थानाध्यक्ष खैरीघाट मय हमराह थाना क्षेत्र मे शांति व सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्र मे मामूर थे कि वैवाही चौकी रामपुर धोबीयाँहार के पास जरिये मुखबिर खास सूचना मिली कि एक बाइक पर 03 सवार चोरी का सामान लेकर मुर्तिहा की तरफ जा रहे है, इस सूचना पर

थानाध्यक्ष मय हमराह उनका पीछा किया गया तथा जरिये दूरभाष प्रभारी निरीक्षक मुर्तिहा को उक्त के संबध अवगत कराया गया जो उर्रा मोड़ थाना मुर्तिहा के पास मय हमराह मिले और बाइक सवारों का पीछा किया गया, थाना मुर्तिहा के उर्रा से नवगना मार्ग पर हरिबाबू बगिया के पास तीनो बाइक सवार मिले। जिनको रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी, अपने बचाव में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई से 01 अभियुक्त को दाहिने पैर मे गोली लगी तथा 02 अन्य को मौके से भागते समय पुलिस टीम द्वारा घेरकर गिरफ्तार कर लिया गया, नाम पता पूछने पर घायल अभियुक्त का नाम छैलू उर्फ छैलबिहारी पुत्र राधेश्याम चौहान निव बंशीबेली मजारा कैरातीपुरवा थाना ईशानगर जनपद लखीमपुर खीरी तथा 02 अन्य गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम 1. अरुण पुत्र बेचन नि0 टीकूरी दा अर्नवा थाना खैरीघाट बहराइच, 2. तुलसी राम पुत्र असर्फी लाल प्रजापति नि0 भंडारीपुरवा दा0 अर्नवा थाना खैरीघाट बहराइच बताया गया। इनके पास चोरी से संबंधित पीले और सफेद धातु के आभूषण, नगद 17600 रुपए, एक तमंचा 12 बोर और एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, तीन मोबाइल एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। इनके द्वारा मोतीपुर क्षेत्र में कई चोरिया करने की बात प्रकाश में आई है, जिनका विवरण गहराई से पूछताछ से स्पष्ट होगा, प्राथमिक पूछताछ से स्पष्ट हुआ है कि यह चोरों का एक सक्रिय गिरोह है।घायल अभियुक्त छैलू लखीमपुर के थाना ईशानगर का हिस्ट्रीशीटर भी है, इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। घायल अभियुक्त को तत्काल थाना मुर्तिहा पुलिस द्वारा सीएचसी मिहीपुरवा भेजा गया है, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर पुलिस बल उपस्थित है, आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जुम्मे की नमाज को लेकर नानपारा में एसडीएम नानपारा व सी.ओ. नानपारा ने पुलिस बल के साथ निकाला पैदल मार्च एसडीएम मोनालिसा जौहरी व सी.ओ. नानपारा त्योहारों से पहले अलर्ट मोड पर की

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर जनता का सच

बहराइच। थाना नानपारा क्षेत्र में आज शुक्रवार को मुख्य राजस्व अधिकारी बहराइच, एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी, अपर पुलिस अधीक्षक बहराइच, सी.ओ. नानपारा, थानाध्यक्ष नानपारा ने आगामी त्यौहारों सकुशल सम्पन्न कराने, तथा शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने हेतु शांति व्यवस्था के दृष्टिगत आज नानपारा क्षेत्र में पैदल गश्त की गई। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने कहा कि सभी को सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना के साथ मिलजुलकर रहने व किसी भी तरह की अफवाहों से सावधान रहने की अपील की। एसडीएम ने सभी से शांतिपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाने की अपील करते हुआ कहा कि हमारी वजह से किसी को भी कोई परेशानी न हो इस तरीके से हमे रहना चाहिए। वही अपर पुलिस अधीक्षक ने भी आपस मे प्रेम के साथ रहने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी अगर माहौल खराब करेगा तो उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जायेगी यदि कोई सोशल मीडिया पर गलत टिप्पणी करता है तो उसके विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरुण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।